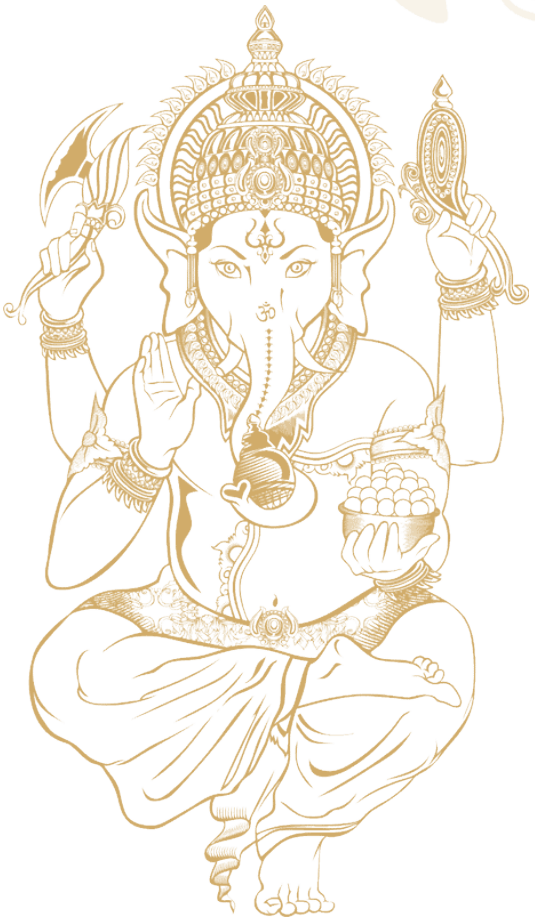

Nishant

Akaksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121247103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/08/1991	जन्म तिथि	16/03/1996
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:50:00	जन्म समय	18:25:00 घंटे
घटी 31:18:04	जन्म समय(घटी)	31:12:56 घटी
India	देश	India
Pusa	स्थान	Bettiah
25:59:00 उत्तर	अक्षांश	26:49:00 उत्तर
85:40:00 पूर्व	रेखांश	84:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:12:40	स्थानिक संस्कार	00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:46	सूर्योदय	06:00:35
18:25:19	सूर्यास्त	18:01:03
23:44:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 3मा 14दि	17:03:20	मक	लग्न	कन्या	08:33:24	मंगल 6वर्ष 10मा 20दि
गुरु	26:31:17	कर्क	सूर्य	मीन	02:25:00	गुरु
27/11/2024	12:16:45	कन्या	चंद्र	मक	23:32:46	04/02/2021
27/11/2040	24:18:11	सिंह	मंगल	कुंभ	29:52:07	04/02/2037
गुरु 15/01/2027	10:48:16	सिंह व	बुध	कुंभ	21:35:50	गुरु 25/03/2023
शनि 28/07/2029	29:48:04	कर्क	गुरु	धनु	20:18:06	शनि 05/10/2025
बुध 03/11/2031	10:45:30	सिंह व	शुक्र	मेष	17:39:30	बुध 11/01/2028
केतु 09/10/2032	08:29:40	मक व	शनि	मीन	03:30:41	केतु 17/12/2028
शुक्र 10/06/2035	24:48:20	धनु व	राहु व	कन्या	23:26:39	शुक्र 18/08/2031
सूर्य 28/03/2036	24:48:20	मिथु व	केतु व	मीन	23:26:39	सूर्य 05/06/2032
चन्द्र 28/07/2037	16:37:50	धनु व	हर्ष	मक	09:38:17	चन्द्र 05/10/2033
मंगल 04/07/2038	20:43:40	धनु व	नेप	मक	03:25:35	मंगल 11/09/2034
राहु 27/11/2040	23:53:14	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	09:16:38	राहु 04/02/2037

लग्न-चलित

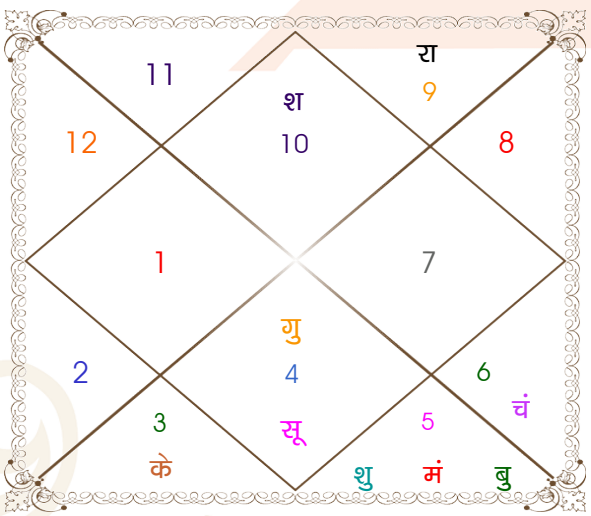

लग्न-चलित

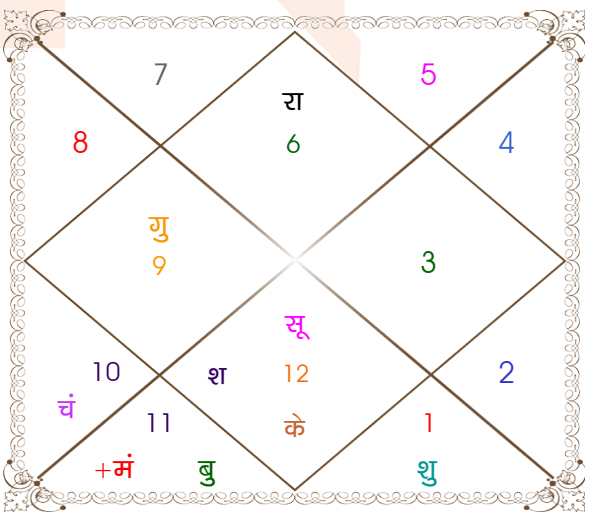

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Nishant का वर्ग मूषक है तथा Akaksha का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nishant और Akaksha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nishant मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Akaksha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Akaksha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nishant तथा Akaksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।